



© Chris Dendy 2014 © Lindsey Jacobs 2014

Permissions: You are permitted and encouraged to reproduce and distribute this material in physical form, in its entirety or in unaltered excerpts, as long as you do not charge a fee. For posting online, please use only unaltered excerpts (not the content in its entirety).

Any exceptions to the above must be approved by Chris Dendy and/or Lindsey Jacobs.

Christopher C. Dendy

Lindsey Jacobs

Notes



In God's Glory in Salvation Through Judgment, James Hamilton records:

"One of the most profitable and enjoyable experiences I have had reading a book is when I let Paul House take me on a 'guided tour' of the Old Testament. I would read a section of the Old Testament, then read House's discussion of that part of the Bible in his Old Testament Theology. Perhaps you have visited a historical site or a museum and checked out an audio tour. As you went from one thing to another, you could enter codes on the device for more or less information about what you were seeing... It would be boring to hear that recording if you were not looking at the things being described--- unless you knew them so well that you could picture exactly what the narrator was describing. Along these lines, this book is best read with an open Bible... So I encourage you to read this book alongside the Bible, and if you have time for only one and not the other, read the Bible. Its authors were inspired by the Holy Spirit, and God will use it to change your life. My prayer is that this book will help you towards a fuller understanding of the Scriptures."

Devour the Scriptures. Let your heart delight with rapture as you behold "the light of the knowledge of the glory of God in the face of Jesus Christ" (cf. 2 Cor. 4:6).



| SEPTEMBER | | | | OCTOP | ER | | | MARC | H | | | APRIL | | | | |
|-----------|-------------|---------|--------------|-------|--------------------|------------------|--------------|------|---------------------|------------------|--------------|-------|-------------|---------|--------------|--|
| Date | Scripture | GGSTJ | \checkmark | Date | Scripture | GGSTJ | \checkmark | Date | Scripture | GGSTJ | \checkmark | Date | Scripture | GGSTJ | \checkmark | |
| 1 | Dan. 9–10 | 334-335 | | 1 | 2 Ch. 22–24 | | | 1 | Dt. 5-7 | 123-125 | | 1 | 1 Sa. 21–24 | 169–170 | | |
| 2 | Dan. 11–12 | 335 | | 2 | 2 Ch. 25–27 | | | 2 | Dt. 8–10 | 125-127 | | 2 | 1 Sa. 25–27 | | | |
| 3 | Ezra 1–3 | 335-337 | | 3 | 2 Ch. 28–29 | | | З | Dt. 11-13 | 127-129 | | 3 | 1 Sa. 28–31 | | | |
| 4 | Ezra 4–7 | | | 4 | 2 Ch. 30–32 | | | 4 | Dt. 14–16 | | | 4 | 2 Sa. 1-3 | 170–173 | | |
| 5 | Ezra 8-10 | | | 5 | 2 Ch. 33–34 | | | 5 | Dt. 17-20 | | | 5 | 2 Sa. 4-7 | | | |
| 6 | Neh. 1-3 | 337-339 | | 6 | 2 Ch.35–36 | 349-353 | | 6 | Dt. 21-23 | | | 6 | 2 Sa. 8–12 | 173–174 | | |
| 7 | Neh. 4-6 | | | 7 | Mt. 1–4 | 355-367 | | 7 | Dt. 24-27 | | | 7 | 2 Sa. 13–15 | | | |
| 8 | Neh. 7 | | | 8 | Mt. 5–7 | 367-370 | | 8 | Dt. 28–29 | 129-132 | | 8 | 2 Sa. 16–18 | | | |
| 9 | Neh. 8-9 | | | 9 | Mt. 8–9 | 370-371 | | 9 | Dt. 30-31 | 132-137 | | 9 | 2 Sa. 19–21 | 174–176 | | |
| 10 | Neh. 10–11 | | | 10 | Mt. 10–12 | 371-373 | | 10 | Dt. 32–34 | | | 10 | 2 Sa. 22–24 | 176 | | |
| 11 | Neh. 12–13 | | | 11 | Mt. 13–14 | 373-375 | | 11 | Jsh. 1–4 | 139-143 | | 11 | 1 Kg. 1–2 | 176–178 | | |
| 12 | 1 Ch. 1–2 | 339-340 | | 12 | Mt. 15–17 | | | 12 | Jsh. 5 - 8 | 144-149 | | 12 | 1 Kg. 3–5 | 178–180 | | |
| 13 | 1 Ch. 3-5 | | | 13 | Mt. 18–20 | 375-377 | | 13 | Jsh. 9 - 11 | 149-152 | | 13 | 1 Kg. 6–7 | | | |
| 14 | 1 Ch. 6 | | | 14 | Mt. 21–22 | | | 14 | Jsh. 12 - 15 | 152-153 | | 14 | 1 Kg. 8–9 | | | |
| 15 | 1 Ch. 7–8 | | | 15 | Mt. 23 - 24 | 377 - 378 | | 15 | Jsh. 16 - 18 | | | 15 | 1 Kg. 10–11 | 180–183 | | |
| 16 | 1 Ch. 9–10 | 340 | | 16 | Mt. 25–26 | 378-380 | | 16 | Jsh. 19 - 21 | | | 16 | 1 Kg. 12–14 | | | |
| 17 | 1 Ch. 11–12 | 340-342 | | 17 | Mt. 27–28 | 380 | | 17 | Jsh. 22–24 | 153-154 | | 17 | 1 Kg. 15–17 | | | |
| 18 | 1 Ch. 13–15 | | | 18 | Mk. 1–3 | 380-386 | | 18 | Jud. 1–2 | 154 - 157 | | 18 | 1 Kg. 18–20 | | | |
| 19 | 1 Ch. 16–17 | | | 19 | Mk. 4 - 5 | | | 19 | Jud. 3–5 | 157-158 | | 19 | 1 Kg. 21–22 | | | |
| 20 | 1 Ch. 18–20 | | | 20 | Mk. 6–7 | | | 20 | Jud. 6–7 | | | 20 | 2 Kg. 1–3 | 183–185 | | |
| 21 | 1 Ch. 21–23 | | | 21 | Mk. 8–9 | 386-389 | | 21 | Jud. 8-9 | | | 21 | 2 Kg. 4–5 | | | |
| 22 | 1 Ch. 24–25 | | | 22 | Mk. 10–11 | 389-391 | | 22 | Jud. 10–12 | | | 22 | 2 Kg. 6-8 | | | |
| 23 | 1 Ch. 26–27 | | | 23 | Mk. 12–13 | | | 23 | Jud. 13–15 | | | 23 | 2 Kg. 9–11 | | | |
| 24 | 1 Ch. 28–29 | | | 24 | Mk. 14 | | | 24 | Jud. 16–18 | | | 24 | 2 Kg. 12–14 | | | |
| 25 | 2 Ch. 1-4 | 342-345 | | 25 | Mk. 15–16 | 391-392 | | 25 | Jud. 19–21 | 158 | | 25 | 2 Kg. 15–17 | | | |
| 26 | 2 Ch. 5-7 | | | 26 | Lk. 1 | 392-396 | | 26 | 1 Sa. 1-3 | 158-164 | | 26 | 2 Kg. 18–19 | 185–186 | | |
| 27 | 2 Ch. 8–10 | 345-349 | | 27 | Lk. 2 - 3 | | | 27 | 1 Sa. 4-8 | | | 27 | 2 Kg. 20–22 | | | |
| 28 | 2 Ch. 11–14 | | | 28 | Lk. 4–5 | 396-397 | | 28 | 1 Sa. 9-12 | 164-168 | | 28 | 2 Kg. 23–25 | 186–188 | | |
| 29 | 2 Ch. 15–18 | | | 29 | Lk. 6–7 | 397-401 | | 29 | 1 Sa. 13–14 | | | 29 | ls. 1–4 | 188–191 | | |
| 30 | 2 Ch. 19–21 | | | 30 | Lk. 8–9 | 401-403 | | 30 | 1 Sa. 15–17 | 168-169 | | 30 | ls. 5–8 | 191–194 | | |
| | | | | 31 | Lk. 10–11 | | | 31 | 1 Sa. 18–20 | | | | | | | |

000

The God's Glory In Salvation Through Judgment Bible Reading Plan will aid your study of Scripture by helping you see the gravitational center of Scripture, God's glory in salvation through judgment.

This Bible reading plan follows the order of the Hebrew Bible and the canonical order of the New Testament. The Hebrew Bible is divided into three sections: Torah (Law), Neviim (Prophets), and Ketuvim (Writings).

The Torah consists of the first five books of the Old Testament (Genesis-Deuteronomy). The Prophets are divided into the Former Prophets (Joshua-Kings) and the Latter Prophets (Isaiah-Malachi). The Writings are divided into The Book of Truth (Psalms, Proverbs, Job), The Megilloth (Song of Songs, Ruth, Lamentations, Ecclesiastes, Esther), and Other Sacred Writings (Daniel, Ezra-Nehemiah, Chronicles).

The New Testament follows the same form as found in the English Bible.

In the year ahead, take the time each day to pray that the Lord would, "Open my eyes, that I may behold wondrous things out of your law" (Psalm 119:18). Pray that the Lord glorify himself as you expectantly study His Word.

Let your mind and desires be shaped by the Scriptures



| JANUARY | | | | FEBRU | ARY | | | NOVEN | /BER | | | DECEMBER | | | | |
|---------|--------------------|---------|--------------|-------|--------------------|---------|--------------|-------|--------------------|---------|--------------|----------|--------------------|---------|--------------|--|
| Date | Scripture | GGSTJ | \checkmark | Date | Scripture | GGSTJ | \checkmark | Date | Scripture | GGSTJ | \checkmark | Date | Scripture | GGSTJ | \checkmark | |
| 1 | Gn. 1–3 | 25-30 | | 1 | Lv. 1-4 | 107-111 | | 1 | Lk 1.2–13 | | | 1 | Ro. 14–16 | | | |
| 2 | Gn. 4–7 | 37-47 | | 2 | Lv. 5–7 | 111-113 | | 2 | Lk. 14–16 | | | 2 | 1 Co. 1-4 | 457-458 | | |
| 3 | Gn. 8–11 | 47-59 | | 3 | Lv. 8–10 | | | З | Lk. 17 – 18 | | | 3 | 1 Co. 5 - 8 | 458-459 | | |
| 4 | Gn. 12–15 | 59-65 | | 4 | Lv. 11–13 | | | 4 | Lk. 19–20 | 403-404 | | 4 | 1 Co. 9–11 | 459 | | |
| 5 | Gn. 16-18 | 67-74 | | 5 | Lv. 14–15 | | | 5 | Lk. 21–22 | | | 5 | 1 Co. 12–14 | 459-460 | | |
| 6 | Gn. 19 - 21 | 75-82 | | 6 | Lv. 16–18 | | | 6 | Lk. 23–24 | 404 | | 6 | 1 Co. 15–16 | 460-461 | | |
| 7 | Gn. 22–24 | 82-89 | | 7 | Lv. 19–21 | | | 7 | Jn. 1–2 | 405-407 | | 7 | 2 Co. 1-4 | 461-466 | | |
| 8 | Gn. 25-26 | | | 8 | Lv. 22-23 | | | 8 | Jn. 3–4 | 407-415 | | 8 | 2 Co. 5-9 | 466-469 | | |
| 9 | Gn. 27–29 | | | 9 | Lv. 24 - 25 | | | 9 | Jn. 5–6 | | | 9 | 2 Co. 10–13 | | | |
| 10 | Gn. 30–31 | | | 10 | Lv. 26–27 | 114 | | 10 | Jn. 7–8 | | | 10 | Gal. 1–3 | 469-472 | | |
| 11 | Gn. 32-34 | | | 11 | Nu. 1–2 | 114-118 | | 11 | Jn. 9–10 | | | 11 | Gal. 4-6 | 472-479 | | |
| 12 | Gn. 35–37 | | | 12 | Nu. 3–4 | | | 12 | Jn. 11–12 | | | 12 | Eph. 1–3 | 479-484 | | |
| 13 | Gn. 38-40 | | | 13 | Nu. 5–6 | | | 13 | Jn. 13–15 | 415-418 | | 13 | Eph. 4–6 | | | |
| 14 | Gn. 41-42 | | | 14 | Nu. 7 | | | 14 | Jn. 16–18 | | | 14 | Philippians | 484-488 | | |
| 15 | Gn. 43-45 | | | 15 | Nu. 8–10 | | | 15 | Jn. 19–21 | 418-419 | | 15 | Colossians | 488-494 | | |
| 16 | Gn. 46-47 | | | 16 | Nu. 11–13 | | | 16 | Ac. 1-3 | 419-426 | | 16 | 1 Thess. | 494-497 | | |
| 17 | Gn. 48–50 | | | 17 | Nu. 14–15 | | | 17 | Ac. 4-6 | 426-431 | | 17 | 2 Thess. | 497-500 | | |
| 18 | Ex.1-3 | 90-96 | | 18 | Nu. 16–17 | | | 18 | Ac. 7-8 | 431-432 | | 18 | 1 Tim. | 500-506 | | |
| 19 | Ex. 4-6 | 96-97 | | 19 | Nu. 18–20 | | | 19 | Ac. 9–10 | | | 19 | 2 Tim. | 507-508 | | |
| 20 | Ex. 7 - 9 | | | 20 | Nu. 21–22 | | | 20 | Ac. 11-13 | 432-433 | | 20 | Titus & Phi. | 509-514 | | |
| 21 | Ex. 10-12 | | | 21 | Nu. 23 - 25 | | | 21 | Ac. 14-15 | 433-434 | | 21 | Heb. 1-6 | 514-518 | | |
| 22 | Ex. 13–15 | 96-97 | | 22 | Nu. 26–27 | | | 22 | Ac. 16-17 | 434-436 | | 22 | Heb. 7-10 | | | |
| 23 | Ex. 16–18 | | | 23 | Nu. 28–30 | | | 23 | Ac. 18-20 | 436-438 | | 23 | Heb. 11-13 | 518-519 | | |
| 24 | Ex. 19-21 | 97-101 | | 24 | Nu. 31–32 | | | 24 | Ac. 21-23 | | | 24 | James | 519-522 | | |
| 25 | Ex. 22–24 | | | 25 | Nu. 33-34 | | | 25 | Ac. 24-26 | | | 25 | Luke 1-2 | | | |
| 26 | Ex. 25-27 | | | 26 | Nu. 35-36 | 119 | | 26 | Ac. 27-28 | 438-441 | | 26 | 1 Pet.–Jude | 522-530 | | |
| 27 | Ex. 28-29 | | | 27 | Dt. 1–2 | 119-122 | | 27 | Ro. 1-3 | 443-452 | | 27 | 1 Jn. – 3 Jn. | 531-539 | | |
| 28 | Ex. 30-32 | | | 28 | Dt. 3–4 | 122-123 | | 28 | Ro. 4 - 7 | 452-457 | | 28 | Rev. 1-5 | 541-546 | | |
| 29 | Ex. 33-35 | 101-106 | | | | | | 29 | Ro. 8–10 | | | 29 | Rev. 6-11 | 546-551 | | |
| 30 | Ex. 36-38 | | | | | | | 30 | Ro. 11–13 | | | 30 | Rev. 12-18 | | | |
| 31 | Ex. 39-40 | 106-107 | | | | | | | | | | 31 | Rev. 19-22 | 565-571 | | |

| MAY | | | | JUNE | | | | JULY | | | | AUGUST | | | | |
|------|------------------|------------------|--------------|------|--------------------|---------|--------------|------|----------------------|---------|--------------|--------|------------|---------|--------------|--|
| Date | Scripture | GGSTJ | \checkmark | Date | Scripture | GGSTJ | \checkmark | Date | Scripture | GGSTJ | \checkmark | Date | Scripture | GGSTJ | \checkmark | |
| 1 | ls. 9–12 | 194–197 | | 1 | Ez. 9–12 | | | 1 | Ps. 26-31 | | | 1 | Pr. 19–21 | | | |
| 2 | ls. 13–17 | 197-198 | | 2 | Ez. 13–15 | | | 2 | Ps. 32-35 | | | 2 | Pr. 22-23 | 299 | | |
| 3 | ls. 18–22 | | | 3 | Ez. 16–17 | | | 3 | Ps. 36-39 | | | 3 | Pr. 24-26 | 299-300 | | |
| 4 | ls. 23–27 | 198–199 | | 4 | Ez. 18–20 | | | 4 | Ps. 40-45 | 283-285 | | 4 | Pr. 27–29 | | | |
| 5 | ls. 28–30 | 199-201 | | 5 | Ez. 21–22 | | | 5 | Ps. 46-50 | | | 5 | Pr. 30-31 | 300-301 | | |
| 6 | ls. 31–35 | | | 6 | Ez. 23 - 24 | | | 6 | Ps. 51–57 | | | 6 | Job 1-4 | 301-303 | | |
| 7 | ls. 36–41 | 201-206 | | 7 | Ez. 25–27 | | | 7 | Ps. 58–65 | | | 7 | Job 5-7 | | | |
| 8 | ls. 42–44 | | | 8 | Ez. 28–30 | | | 8 | Ps. 66–69 | | | 8 | Job 8-10 | | | |
| 9 | ls. 45–48 | | | 9 | Ez. 31–33 | | | 9 | Ps. 70-73 | 285-286 | | 9 | Job 11-13 | | | |
| 10 | ls. 49–53 | 206-210 | | 10 | Ez. 34–36 | | | 10 | Ps. 74–77 | | | 10 | Job 14-16 | | | |
| 11 | ls. 54–58 | | | 11 | Ez. 37 - 39 | | | 11 | Ps. 78–79 | | | 11 | Job 17-20 | | | |
| 12 | ls. 59–63 | | | 12 | Ez. 40 - 42 | | | 12 | Ps. 80-85 | | | 12 | Job 21-23 | | | |
| 13 | ls. 64–66 | 211 | | 13 | Ez. 43–45 | | | 13 | Ps. 86-89 | | | 13 | Job 24-28 | 303-304 | | |
| 14 | Jer. 1–3 | 211-213 | | 14 | Ez. 46–48 | 228-229 | | 14 | Ps 9 <u>0</u> -95 | 286-287 | | 14 | Job 29-31 | | | |
| 15 | Jer .4-6 | 214-217 | | 15 | Hos. 1–7 | 229-234 | | 15 | Ps. 96–102 | | | 15 | Job 32-34 | | | |
| 16 | Jer. 7–9 | 217-218 | | 16 | Hos. 8–14 | 234-239 | | 16 | Ps. 103–105 | | | 16 | Job 35-37 | | | |
| 17 | Jer. 10-13 | | | 17 | Joel | 239-241 | | 17 | Ps. 106–107 | 287-289 | | 17 | Job 40-42 | 304-305 | | |
| 18 | Jer. 14-17 | | | 18 | Amos 1-5 | 241-245 | | 18 | Ps. 108–114 | | | 18 | SoS | 305-308 | | |
| 19 | Jer. 18-22 | | | 19 | Amos 6–10 | | | 19 | Ps. 115–118 | | | 19 | Ruth | 308-209 | | |
| 20 | Jer. 23-25 | 218-219 | | 20 | Ob. & Jon. | 245-247 | | 20 | Ps. 119 | | | 20 | Lam. 1–2 | 309-313 | | |
| 21 | Jer. 26-29 | 219-221 | | 21 | Micah | 248-250 | | 21 | Ps. 120 - 125 | | | 21 | Lam. 3–5 | | | |
| 22 | Jer. 30-31 | 221-222 | | 22 | Na. & Hab. | 250-253 | | 22 | Ps. 126–132 | | | 22 | Ecc. 1-2 | 313-317 | | |
| 23 | Jer. 32–34 | | | 23 | Zp. & Hag. | 253-257 | | 23 | Ps. 133–139 | | | 23 | Ecc. 4-6 | 317-319 | | |
| 24 | Jer. 35-37 | | | 24 | Zec. 1-7 | 257-259 | | 24 | Ps. 140 - 145 | | | 24 | Ecc. 7-9 | | | |
| 25 | Jer. 38-41 | | | 25 | Zec. 8-14 | 259-263 | | 25 | Ps. 146–150 | 289-290 | | 25 | Ecc. 10-12 | 319-320 | | |
| 26 | Jer. 42-45 | | | 26 | Malachi | 263-269 | | 26 | Pr. 1–3 | 290-296 | | 26 | Esth. 1–5 | 320-322 | | |
| 27 | Jer. 46-48 | | | 27 | Ps. 1-8 | 271-276 | | 27 | Pr. 4-6 | | | 27 | Esth. 6–10 | 322-324 | | |
| 28 | Jer. 49-50 | | | 28 | Ps. 9–16 | 276-283 | | 28 | Pr. 7–9 | | | 28 | Dan. 1-2 | 325-328 | | |
| 29 | Jer. 51-52 | 222 | | 29 | Ps. 17-20 | | | 29 | Pr. 10–12 | 296-298 | | 29 | Dan. 3–4 | 328-329 | | |
| 30 | Ez. 1 - 4 | 222 - 225 | | 30 | Ps. 21 - 25 | | | 30 | Pr. 13–15 | | | 30 | Dan. 5-6 | 329-330 | | |
| 31 | Ez. 5–8 | 226-228 | | | | | | 31 | Pr. 16–18 | | | 31 | Dan. 7-8 | 330-334 | | |